**ASSOCHAM IN THE NEWS**

**Virat Vaibhav** **14 January, 2017**

## संबोधन

*नई दिल्ली में शुक्रवार को एसोचैम बिम्सटेक-सार्क वीमन्स इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करतीं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल।*

*छाया : वैभव*

**ASSOCHAM IN THE NEWS**

**Dabang Duniya** **14 January, 2017**

## चर्चा सत्र...

गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने नई दिल्ली में आयोजित उद्योग संगठन एसोचैम की बैठक में महिलाओं के आर्थिक सबलीकरण पर अपनी बात रखी। उद्योग संगठन की ओर से एसोचैम बिम्सटेक सार्क में वुमेन इकोनॉमिक फोरम में चर्चा हुई।

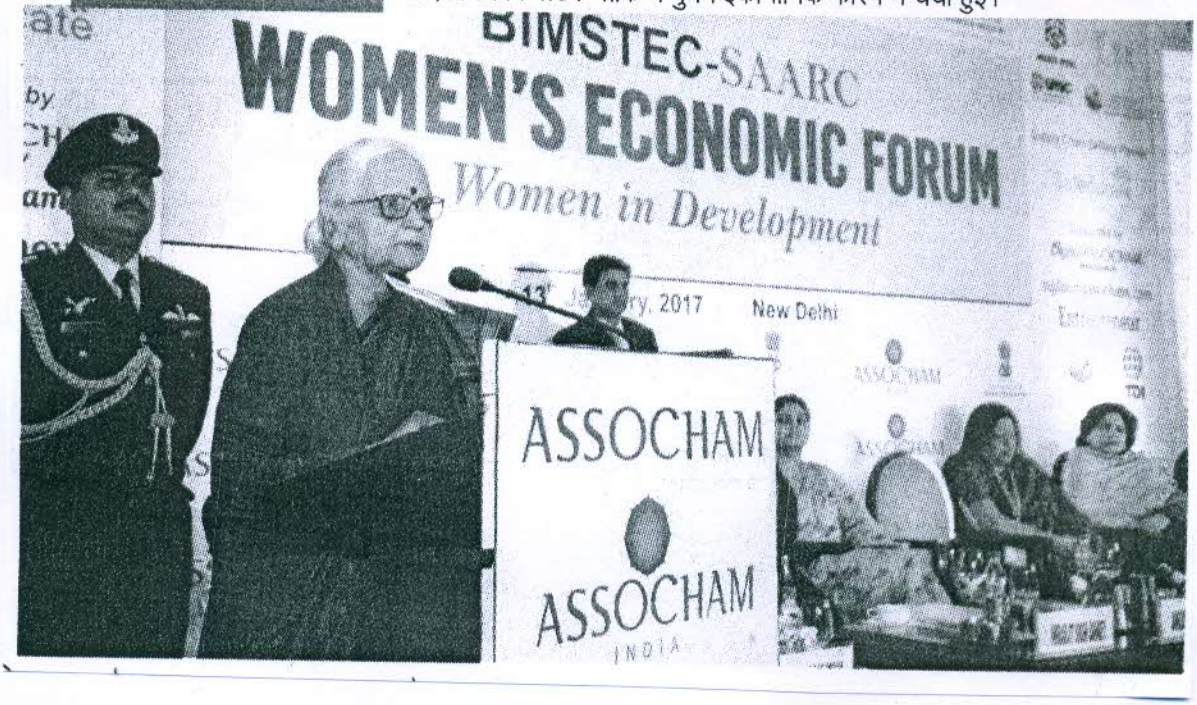

Rajasthan Patrika 14 January, 2017

# चंद्रा को उद्योग जगत की बधाई

**नई दिल्ली.** टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक एन चंद्रशेखरन को देश के अग्रणी समूह टाटा समूह का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उद्योग जगत की बधाइयों का तांता लग गया है। सीआईआई और एसोचैम समेत रिलांयस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी ने बधाई देते हुए चंद्रशेखरन को टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष का उपयुक्त दावेदार कहा है। सीआईआई के अध्यक्ष डॉ नौशाद फोर्ब्स ने कहा कि वित्तीय उपलब्धियों तथा कॉरपोरेट गवर्नेंस के क्षेत्र में उनका रिकॉर्ड भारतीय और वैश्विक उद्योग जगत के लिए बेंचमार्क रहा है। एसोचैम महासचिव डी एस रावत ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

**ASSOCHAM IN THE NEWS**

**Vir Arjun** **14 January, 2017**

# चंद्रशेखरन से उद्योग जगत को बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली, (भाषा)। भारतीय उद्योग जगत ने एन चंद्रशेखरन को टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त किए जाने का स्वागत करते हुए आज उम्मीद जताई कि वह टाटा समूह के मूल्यों को बहाल करेंगे और उन्हें मजबूत बनाएंगे। एसोचैम के महासचिव डी एस रावत के अनुसार चंद्रशेखरन के सामने एक बड़ा काम तो भारतीय उद्योग जगत में टाटा समूह की अगुवा स्थिति को बनाना है और उन्हें ये सुनिश्चित करना होगा कि पुरानी बातें इसमें आड़े नहीं आएं। एसोचैम को उम्मीद है कि चंद्रशेखरन अल्पांश सहित सभी हिस्सेदारों तक पहुंचेंगे और कंपनी में मूल्यों को मजबूत बनाएंगे। सीआईआई के अध्यक्ष नौशाद फोर्ब्स ने वित्तीय उपलब्धियों व निगमित संचालन में चंद्रशेखरन के रिकार्ड को रेखांकित करते हुए उम्मीद जताई है कि 'वे भारतीय व वैश्विक उद्योग में नये मानक तय करेंगे।' चंद्रशेखरन को कल टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त किया गया।

Jan Madhyam (Lucknow) 13 January, 2017

# डिजिटल इंडिया के सामने कई दिक्कतें : रपट

नई दिल्ली, (भाषा)। नीतियों में अस्पष्टता व ढांचागत दिक्कतों के चलते केंद्र के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के सामने अनेक चुनौतियां है। उद्योग मंडल एसोचैम व डेलाइट ने एक संयुक्त रपट में यह निष्कर्ष निकाला है। इसमें कहा गया है कि कराधान व अन्य नियामकीय दिशा निर्देशों से जुड़े मुद्दों के कारण इस कार्यक्रम के आगे बढ़ने में दिक्कत है। रपट के अनुसार, 'कुछ सामान्य नीतिगत बाधाओं में एफडीआई नीतियों में स्पष्टता का अभाव भी है जिसने इकामर्स की वृद्धि को प्रभावित किया है। नीतिगत ढांचें को लेकर उबर जैसी परिवहन सेवा फर्म का बार बार स्थानीय सरकारों से विवाद होता है।' इसके अनुसार डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के सामने सबसे बड़ी चुनौती ढांचागत विकास में देरी है। रपट में अनुमान लगाया गया है कि भारत को 80 लाख से अधिक वाइफाइ हाटस्पाट की जरूरत होगी जबकि इस समय इनकी उपलब्धता लगभग 31000 है।

**ASSOCHAM IN THE NEWS**

**Aaj (Lucknow)** **13 January, 2017**

नई दिल्ली में फिक्की, सीआईआई और एसोचैम के संयुक्त कार्यक्रम में बिजनेस सत्र को सम्बोधित करते हुये केन्द्रीय राज्य सूचना मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर